...तो यूपी में होगा देश का 62% एक्सप्रेस-वे नेटवर्क!

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ ही एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे नेटवर्क में 42% पहुंची यूपी की हिस्सेदारी

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के साथ ही देश के कुल एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे नेटवर्क में यूपी की हिस्सेदारी वढ़कर 42% हो गई है। अभी तक यह 38% था। मेरठ से प्रयागराज तक वन रहे गंगा एक्सप्रेस-वे (594 किमी) का लोकार्पण होने के वाद यूपी का एक्सेस कंट्रोल्ड नेटवर्क 62% हो जाएगा, मतलव देश में वने हर 10 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे में से 6 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे यूपी में होंगे। इसके अलावा भी कई एक्सप्रेस-वे प्रॉजेक्ट प्रक्रियाधीन है।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह वताते हैं कि देश भर में कुल 2,900 किमी एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे हैं। इसमें लगभग 1250 किमी से अधिक का नेटवर्क अकेले यूपी में है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे वनाने में ₹7,200 करोड़ खर्च हुए हैं, जिसमें ₹3400 करोड़ निर्माण लागत और वाकी भूमि अधिग्रहण व अन्य कार्यों का खर्च है।

ये एक्सप्रेस-वे आसान बना रहे सफर

1. पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे	341KM
2. बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे	296KM
3. आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे	302KM
4. यमुना एक्सप्रेस-वे	165KM
5. दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे	96 KM
6. नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे	25 KM
7. गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे	91 KM

11 और एक्सप्रेस-वे पाइपलाइन में

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के साथ ही प्रदेश में कुल चालू एक्सप्रेस-वे की संख्या 7 हो गई है। इसके अतिरिक्त 3 एक्सप्रेस-वे निर्माणाधीन और 8 प्रस्तावित हैं। कुल 11 नए प्रॉजेक्ट पाइपलाइन में हैं। सवसे लंवा गंगा एक्सप्रेस-वे (594 किमी), वलिया लिंक एक्सप्रेस-वे (35 किमी) और लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे (63 किमी) जल्द पूरे हो जाएंगे। इसके अलावा चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेस-वे, वुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे एवं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को वाया फर्रुखावाद, गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेसवे और जेवर एयरपोर्ट लिंक एक्सप्रेस-वे भी प्रक्रियाधीन हैं। वुंदेलखंड, पूर्वांचल और तराई जैसे क्षेत्र भी इस नेटवर्क से जुड़ रहे हैं।